# भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता के लिए शिक्षा

# (Education for Emotional and National Integration)

# भावनात्मक एकता का अर्थ

## (Meaning of Emotional Integration)

मनुष्य एक भावना प्रदान प्राणी है वह अपनी भौतिक आवश्यकताओं की पूर्ति के अलावा भावनात्मक संतुष्टि के लिए भी एक दूसरे पर निर्भर होते हैं जाति-धर्म, वेशभूषा, भाषा, राष्ट्र आदि विधाओं के बाद भी लोग भावना से एक दूसरे से जुड़े रहते हैं भावनात्मक एकता का छेद दो व्यक्ति या संपूर्ण मानव जाति हो सकती है।

**'पंडित जवाहरलाल नेहरू' जी के अनुसार**- "भावनात्मक एकता से मेरा अभिप्राय अपने मनो एवं ह्रदय को एक करने और पृथक ता की भावना को समाप्त करने से है।"

# राष्ट्रीय एकता या देश प्रेम का अर्थ एवं परिभाषा

## (Meaning and Definition of Nationalism or National Integration)

राष्ट्रीय एकता का सामान्य अर्थ-देश एवं राष्ट्र के विभिन्न धर्मों ,भाषाओं, जातियों ,आदि के निवासियों में देश के हित के लिए देश प्रेम एवं देशभक्ति की भावनाओं की एकता है।

राष्ट्रीय एकता का मतलब किसी राष्ट्र के व्यक्तियों में हम की भावना और इस हम की भावना का अर्थ है व्यक्ति द्वारा राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानना राष्ट्रीय हित के आगे अपने व्यक्तित्व एवं सामूहिक हितों का त्याग करना।

**'डॉक्टर जे.एस. बेदी'**, "राष्ट्रीय एकता का अर्थ है देश के विभिन्न राज्यों के व्यक्तियों की आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक ,एवं भाषा विषयक विविधताओं को वांछनीय सीमा के अंतर्गत रखना और उनमें भारत की एकता का समावेश करना।"

**'डॉक्टर संपूर्णानंद'**, "स्वतंत्रा के बाद के वर्षों में भारत ने अनेक क्षेत्रों में प्रगति की है किंतु इन वर्षों में राष्ट्रीय जीवन में पृथकता की प्रवृत्तियों ने उत्तरोत्तर वृद्धि भी आवलोकित हुई है।"

## राष्ट्रवाद के प्रकार

## (Types of Nationalism)

राष्ट्रवाद दो प्रकार का होता है।

1) उदार राष्ट्रवाद
2) संकीर्ण राष्ट्रवाद

# भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता एवं महत्व

## (Need of Emotional and National Integration)

**'डॉ राधाकृष्णन'**, "राष्ट्रीय एकता एक ऐसी समस्या है जिससे सभ्य राष्ट्र के रूप में हमारे अस्तित्व का घनिष्ठ संबंध है।"

वर्तमान समय में भारत में राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता के निम्न कारण है:

- ➤राष्ट्रीय विकास
- ➤राष्ट्र के अस्तित्व की रक्षा हेतु
- ➤स्थाई लोकतंत्र के लिए
- ➤वर्ग संघर्ष की समाप्ति
- ➤राष्ट्र की सुरक्षा के लिए
- ➤राष्ट्र के जीवन स्तर को सुधारने के लिए
- ➤विघटनकारी कारी तत्वों को खत्म करने के लिए
- ➤क्षेत्रीय संकीर्णता की समाप्ति

# भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता की विशेषताएं

## (Characteristics of Emotional and National Integration)

- राष्ट्रहित सर्वोच्च
- राष्ट्र की अस्मिता की रक्षा
- व्यक्तियों के बीच हम की भावना
- किसी राष्ट्र के व्यक्तियों को एक सूत्र में बांधना
- राष्ट्रीय हित के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर देना
- उदार राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय भावना के विकास में सहायक

# राष्ट्रीय एवं भावनात्मक एकता के मार्ग में आने वाली बाधाएं

## (Obstacles in the way of National and Emotional Integration)

- जातिवाद
- प्रांतीयता एवं क्षेत्रीयता
- संप्रदायिकता
- आर्थिक असमानताएं
- भाषा संबंधी विवाद
- राजनीतिक दल दल
- निरक्षरता
- संवैधानिक मूल्य
- आदर्शों और मूल्यों का अभाव
- बढ़ती हुई जनसंख्या एवं बेरोजगारी
- युवकों में निराशा एवं असंतोष

# भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता में शिक्षा की भूमिका

## 1) राष्ट्रीय एकता समिति के अनुसार शिक्षा के उद्देश्य-

i. स्वतंत्रता संग्राम एवं स्वतंत्रता प्राप्ति से संबंधित प्रमुख घटनाओं का ज्ञान।

ii. विद्यार्थियों को देश के विभिन्न पक्षों का ज्ञान प्रदान किया जाए।

iii. देश की सभी जातियों एवं संप्रदायों में राष्ट्रीय एकता के लिए विकास परक शिक्षा की व्यवस्था की जाए।

## 2) उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों का सुझाव-

i. सभी धर्मों एवं जाति के व्यक्ति लोकप्रिय त्योहारों एवं मेलों से सम्मिलित हो।

ii. पाठ्यक्रमों में व पुस्तकों में अंतर विवाद उत्पन्न करने वाले विषयों को स्थान ना मिले।

iii. वीडियो, समाचार पत्रों , दूरदर्शन आदि का प्रयोग राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में किया जाए।

**3) भावनात्मक एकता समिति के अनुसार सुझाव-**

i. पाठ्यक्रम की पुनर्रचना
ii. सामाजिक अध्ययन प्रबल
iii. पाठ्य सहगामी क्रियाओं को महत्व

## भावनात्मक एकता के विकास में शिक्षक का कार्य

## (Role of Teacher)

- विषय ज्ञान के साथ ही शिक्षक को सभी संस्कृतियों का ज्ञान होना चाहिए।
- विद्यार्थियों के सभी व्यक्तित्व से शिक्षक को परिचित होना चाहिए।
- शिक्षकों को सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्त्व की क्रियाओं का संयोजन बच्चों के सहयोग से करना चाहिए।
- विद्यालयों का पर्यावरण लोकतंत्र में होना चाहिए।
- भावनात्मक एकता के विकास के लिए अध्यापक को अपने को एक आदर्श के रूप में प्रस्तुत करना चाहिए।

# भावनात्मक एकता के विकास में राज्य के कार्य

## (Role of Nation)

- उचित आर्थिक व्यवस्था की जाए।
- बेरोजगारों को काम देखकर बेरोजगारी कम कर देना चाहिए।
- हिंदी राष्ट्रभाषा का व्यवहार वैध कर दिया जाए।
- विभिन्न संप्रदायों के सम्मिलित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए।
- मानव जीवन को प्रेरणा देने वाले धर्मपाल नीति की शिक्षा अनिवार्य है
- अनिवार्य सामाजिक तथा राष्ट्रीय सेवा
- पाठ्य पुस्तकों में गुणात्मक सुधार
- धार्मिक एवं राष्ट्रीय पर्वों का सार्वजनिक आयोजन
- शिक्षण विधियों में सुधार
- समुचित भाषा नीति